पंजाब केसरी
WED,14 FEBRUARY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 3

वी.सी. ने कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करने पर दिया जोर

गोहाना, 13 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा।

विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। इस आशय का निर्णय वी.सी. प्रो सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) की 5वीं बैठक में लिया गया।

वी.सी. प्रो सुदेश ने लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय को नवीनतम वैश्विक ज्ञान रूझानों तथा सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमताल करते हुए कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करना होगा। वी.सी. ने सॉफ्ट स्किल्स तथा संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आई.क्यू.ए.सी. सदस्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रो सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। डॉ योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन का विचार साझा किया। औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में एल.पी.एस. बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही।

आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक प्रो अशोक वर्मा ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का समन्वयन किया। बैठक में प्रो इप्शिता बंसल, प्रो सुरेंद्र मोर, प्रो श्वेता, प्रो रवि भूषण, प्रो नीलम जैन, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, वित्त अधिकारी रवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया तथा छात्र प्रतिनिधि रितु भी शामिल हुए।

दिशा-निर्देश देते हुए वी.सी प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल परिवर्तन पर व्याख्यान

हैलो रेवाड़ी संवाददाता

रेवाड़ी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के दक्षिण हरियाणा में एकमात्र सरकारी रीजनल सेंटर गांव कृष्ण नगर में मंगलवार को इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी से कॉमर्स विभाग अध्यक्ष प्रो. तेज सिंह द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल परिवर्तन पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अगले सत्र से सभी विश्वविद्यालयों में लागू होने जा रही है। जिसके लिए पाठ्यक्रम भी पूर्ण रूप से तैयार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रथम वर्ष में 52 क्रेडिट सर्टिफिकेट कोर्स के लिए, 96 क्रेडिट द्वितीय वर्ष में डिप्लोमा हेतु और तृतीय वर्ष के लिए 132 क्रेडिट जो डिग्री के लिए होंगे तथा चौथे वर्ष ऑनर्स (रिसर्च बेस) डिग्री के लिए 180 क्रेडिट होंगे। इस प्रकार प्रोफेसर तेज सिंह ने अपने व्याख्यान के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को किस प्रकार से विश्वविद्यालयों में लागू किया जाएगा इसकी पूर्ण आधारभूत संरचना को बहुत ही

रुचि कर ढंग से समझाया। जिसमें छात्राओं ने वाद विवाद किया जिससे समझने में आसानी रही। प्रोफेसर तेज सिंह ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल परिवर्तन से भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ाने के साथ-साथ तेजी से युवाओं के लिए रोजगार बढ़ेगा और 2027 तक भारतीय डिजिटाइजेशन से तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था संसार में हम बनने जा रहे हैं। निदेशक प्रोफेसर बलबीर सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारत का बढ़ता डिजिटलाइजेशन से युवाओं को स्टार्टअप वी रोजगार के अवसर मिलेंगे जो कि भारत को 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूर्ण करने में अहम योगदान होगा। यह व्याख्यान कॉमर्स विभाग से अंजली यादव व अंजलि प्रवक्ताओं द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार, डॉ. अनीता देवी, डॉ. रिनू यादव, सुनीता यादव, डॉ. राकेश, डॉ. प्रदीप नीलम, सोनिया, प्रदीप, ज्योति, सुनीता, अंजू, मधुबाला, निर्मला, सुशीला, विपुल, आदि उपस्थित रहे।

लिए तयार करना ह जा निस्वाथ भाव उन्हान बताया का ब्रिगड डिवाजन का प्राथामक सहायता म निपुण लागा का द्य डा सुषमा गुप्ता न कहा कि ब्रिगड

महिला विश्वविद्यालय को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए उठाएंगे आवश्यक कदमः कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां, गिरीश सैनी (ऋषि की आवाज ब्यूरो)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आर्युवेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। इस आशय का निर्णय महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की 5वीं बैठक में लिया गया।

कुलपति प्रो सुदेश ने बैठक को संबोधित करते हुए सीड मनी के माध्यम से शिक्षकों को शोध के लिए प्रोत्साहित किए जाने की बात कही। उन्होंने विश्वविद्यालय को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को जरूरी बताया।

कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि बैठक में मंथन उपरांत महिला विश्वविद्यालय में जरूरी प्रशासनिक तथा शैक्षणिक पहल की जाएंगी। उन्होंने सॉफ्ट स्किल्स तथा संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आईक्यूएसी सदस्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रो सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए महिला विश्वविद्यालय में वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। आईक्यूएसी में स्थानीय समाज के प्रतिनिधि के रूप में डॉ योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन का विचार साझा किया। औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में एलपीएस बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर भागीदारी और रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही।

वी.सी. ने कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करने पर दिया जोर

गोहाना, 13 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा।

विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। इस आशय का निर्णय वी.सी. प्रो सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) की 5वीं बैठक में लिया गया।

वी.सी. प्रो सुदेश ने लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय को नवीनतम वैश्विक ज्ञान रूझानों तथा सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमताल करते हुए कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करना होगा। वी.सी. ने सॉफ्ट स्किल्स तथा संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आई.क्यू.ए.सी. सदस्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रो सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। डॉ योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन का विचार साझा किया। औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में एल.पी.एस. बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही।

आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक प्रो अशोक वर्मा ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का समन्वयन किया। बैठक में प्रो इप्शिता बंसल, प्रो सुरेंद्र मोर, प्रो श्वेता, प्रो रवि भूषण, प्रो नीलम जैन, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, वित्त अधिकारी रवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया तथा छात्र प्रतिनिधि रितु भी शामिल हुए।

दिशा-निर्देश देते हुए वी.सी प्रो. सुदेश।

(अरोड़ा)

विभिन्न संकायों में पेटेंट की संख्या बढ़ाने पर फोकस

गोहाना। महिला विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

फोटो : हरिभूमि

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विवि में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। इस आशय का निर्णय महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की 5वीं बैठक में लिया गया। कुलपति ने बैठक को संबोधित करते हुए सीड मनी के माध्यम से शिक्षकों को शोध के लिए प्रोत्साहित करने, विवि को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने, विवि समुदाय को नवीनतम वैश्विक ज्ञान रूझानों तथा सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमताल करते हुए कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करने, सॉफ्ट स्किल्स तथा संचार कौशल बढ़ाने पर बल दिया। आईक्यूएसी सदस्य, हरियाणा केंद्रीय विवि से प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए महिला विवि में वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने और आईक्यूएसी में स्थानीय समाज के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. योगेंद्र मलिक ने राजस्व सृजन का विचार साझा किए। एलपीएस बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर भागीदारी और रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही। निदेशक आईक्यूएसी, प्रो. अशोक वर्मा ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का समन्वयन किया। बैठक में प्रो. इप्शिता बंसल, प्रो. सुरेंद्र मोर, प्रो. श्वेता, प्रो. रवि भूषण, प्रो. नीलम जैन, प्रो. विजय नेहरा, डॉ. सुमन दलाल, वित्त अधिकारी रवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया तथा छात्र प्रतिनिधि रीतू भी शामिल हुए।

महिला विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित

गोहाना, 13 फरवरी (रामनिवास धीमान): गांव खानपुर कलां कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आर्युवेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। इस आशय का निर्णय महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश की अध्यक्षता में आज आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की 5वीं बैठक में लिया गया। उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए सीड मनी के माध्यम से शिक्षकों कों शोध के लिए प्रोत्साहित किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बैठक में मंथन उपरांत महिला विश्वविद्यालय में जरूरी प्रशासनिक तथा शैक्षणिक पहल की जाएंगी। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए महिला विश्वविद्यालय में वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। डॉ. योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन का विचार सांझा किया। एलपीएस बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर भागीदारी और रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही। निदेशक आईक्यूएसी, प्रो अशोक वर्मा ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया।

अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देगा विवि

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में मंगलवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की 5वीं बैठक हुई। इसमें विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर जोर दिया गया। साथ ही निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि विश्वविद्यालय को लैंगिक व सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की जरूर है। नरम व संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में डॉ. योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन का विचार रखे। इस दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अशोक वर्मा, डॉ. शालिनी, प्रो. ईप्शता बंसल, प्रो. सुरेंद्र मोर, प्रो. श्वेता, प्रो. रवि भूषण, प्रो. नीलम जैन, प्रो. विजय नेहरा, डॉ. सुमन दलाल व वित्त अधिकारी रवि दत्त मौजूद रहे। संवाद

प्लानिंग • विवि में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की 5वीं बैठक में फैसला

आर्युवेद व विज्ञान सहित अन्य संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर फोकस

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि प्रशासन अपने परिसर में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आर्युवेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा।

इसके साथ ही विवि में गैर-सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। विवि के प्रशासनिक अधिकारियों ने यह निर्णय मंगलवार को विवि परिसर में आयोजित हुई आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की 5वीं बैठक में लिया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश ने की।

महिला विवि की आईक्यूएसी बैठक को संबोधित करती कुलपति प्रो. सुदेश।

प्रो. सुदेश ने सीड मनी के माध्यम से शिक्षकों को शोध के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने विवि को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को जरूरी बताया।

प्रकोष्ठ की सदस्य एवं हरियाणा केंद्रीय विवि से प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए महिला विवि में वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। डॉ. योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन पर विचार साझा किए।

वहीं औद्योगिक प्रतिनिधि के तौर परमुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर भागीदारी और रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही। इस मौके पर आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अशोक वर्मा, प्रो. इप्शिता बंसल, प्रो. सुरेंद्र मोर, प्रो. श्वेता, प्रो. रवि भूषण, प्रो. नीलम जैन, प्रो. विजय नेहरा, डॉ. सुमन दलाल, वित्त अधिकारी रवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया, छात्र प्रतिनिधि रितु समेत अन्य मौके पर मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति • महिला विवि प्रशासन बीएएसी नर्सिंग के अलावा आयुर्वेद में पीजी के नए कोर्स शुरू करेगा

बीपीएस महिला विवि में नए शैक्षणिक सत्र से लागू होगी 16 कोर्सों में नई शिक्षा नीति

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि में आगामी शैक्षणिक सत्र में छात्राओं को नई शिक्षा नीति के साथ पढ़ाई करने के अलावा अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही छात्राओं को दो नए कोर्सों की सौगात भी मिलेगी। इसके लिए विवि प्रशासन जहां 16 कोर्सों में नई राष्ट्रीय शिक्षा लागू करेगा, बल्कि बीएएसी नर्सिंग के अलावा आयुर्वेद में पीजी के नए कोर्स चालू करेगा। इसको लेकर विवि प्रशासन द्वारा न केवल प्राध्यापकों को प्रशिक्षण देकर उनकी शंकाएं दूर करने में लगा है, बल्कि अन्य प्रक्रिया पूरी करने के लिए भी तैयारियां की जा रही हैं।

खानपुर कलां गांव में संचालित बीपीएस महिला विवि में हर साल स्नातक, स्नातकोत्तर से लेकर पीएचडी तक करीब 3000 सीटों पर दाखिले होते हैं। इनमें स्नातक के 16 कोर्स शामिल हैं। इन कोर्सों में हाल में पुरानी शिक्षा नीति अनुसार ही पढ़ाई हो रही है, लेकिन अब विवि प्रशासन ने नए शैक्षणिक सत्र से नई शिक्षा नीति को लागू करने का निर्णय लिया है। यह नीति विवि के साथ ही उससे संबंधित सभी कॉलेजों में लागू होगी।

3 हॉस्टल 3 मंजिला ही बनेंगे, प्रत्येक हॉस्टल में 480 छात्राओं के रहने सुविधा होगी, इन बिल्डिंगों के निर्माण पर 39 करोड़ खर्च होंगे

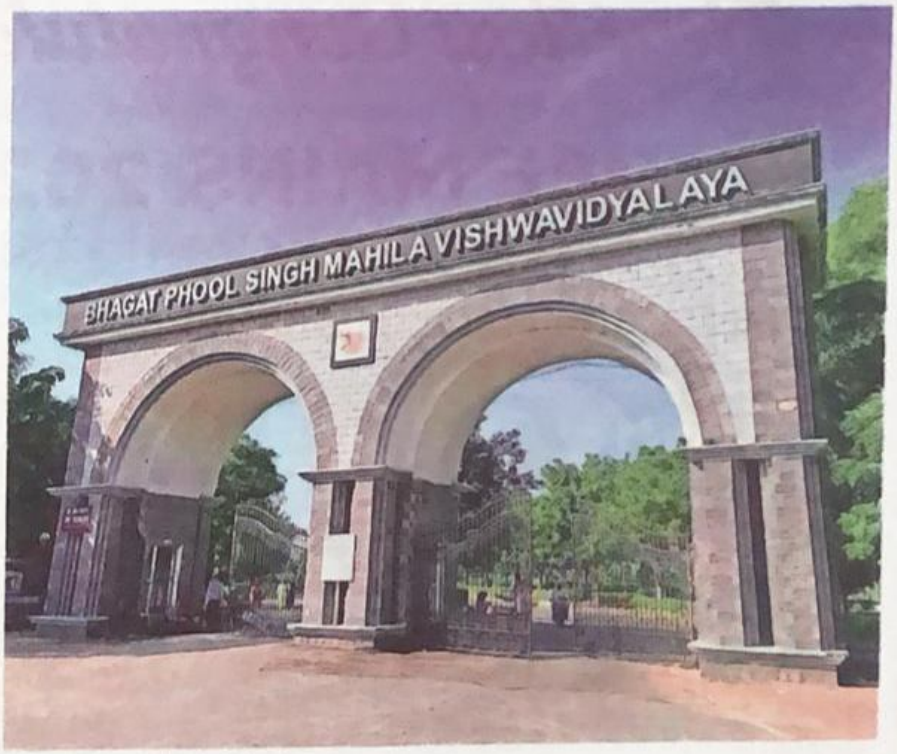

गोहाना भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय ।

3 नए हॉस्टलों की भी मिलेगी सुविधा

विवि परिसर में 14 हॉस्टल बनाए गए थे, लेकिन फिलहाल 11 में ही छात्राओं को सुविधा मिल पा रही है। तीन हॉस्टलों को विवि प्रशासन ने कंडम घोषित करके बीते दिनों ही गिराया है। अब छात्राओं की अधिक संख्या होने के चलते विवि प्रशासन इन हॉस्टलों की बिल्डिंगों को बनाने की प्रक्रिया अपना रहा है। नए हॉस्टलों की बिल्डिंग तीन मंजिला बनाई जाएंगी। इनके ग्राउंड फ्लोर पर स्कूली छात्राओं व ऊपरी मंजिलों पर बड़ी कक्षाओं की छात्राओं को रहने की सुविधा मिलेगी। तीनों हॉस्टल तीन मंजिला ही बनेंगे। प्रत्येक हॉस्टल में 480 छात्राओं के रहने सुविधा होगी। इन बिल्डिंगों के निर्माण पर 39 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

गुरुकुल की नई बिल्डिंग में शुरू दो नए कोर्स

महिला विवि प्रशासन बीएससी नर्सिंग व आयुर्वेद में पीजी को भी अगले शैक्षणिक सत्र से शुरू करेगा। दोनों कोर्स विवि के तहत भैंसवाल कलां गांव में बने गुरुकुल में शुरू किए जाएंगे। इसके लिए विवि प्रशासन ने गुरुकुल परिसर में नई बिल्डिंग का निर्माण किया है। इसके अलावा दोनों कोर्स शुरू करने के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इन कोर्सों में दूर-दराज के साथ आसपास की छात्राएं भी दाखिला ले सकेंगी, उन्हें दूसरे जिलों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

2016 से महिला विश्वविद्यालय में सेंट्रल लाइब्रेरी बनाने की चल रही है प्रक्रिया

बीपीएस महिला विवि में 2016 से चल रही सेंट्रल लाइब्रेरी बनाने की प्रक्रिया जल्द ही पूरी होगी। इसके लिए विवि प्रशासन ने एजेंसी व संबंधित विभाग के बीच विवाद को सरकार से निवेदन करके सुलझा लिया है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग तो तैयार पहले से ही हो चुकी है, अब अंतिम कार्य बाकी है। विवि प्रशासन के अनुसार जल्द ही लाइब्रेरी का निर्माण कार्य शुरू होगा। इसके बाद यहां सेंट्रल लाइब्रेरी में एक हजार छात्राओं को बैठकर पढ़ाई करने की सौगात मिलेगी। यही नहीं छात्राओं को किताबें पढ़ने के साथ ही खाई-फाई की सुविधा भी मिलेगी।

Hindi News

महिला विश्वविद्यालय को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए उठाएंगे आवश्यक कदमः कुलपति प्रो सुदेश

Girish Saini Feb 13, 2024 06:32

Facebook Twitter

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आर्युवेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। इस आशय का निर्णय महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)की 5वीं बैठक में लिया गया।

कुलपति प्रो सुदेश ने बैठक को संबोधित करते हुए सीड मनी के माध्यम से शिक्षकों को शोध के लिए प्रोत्साहित किए जाने की बात कही। उन्होंने विश्वविद्यालय को लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को जरूरी बताया। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि बैठक में मंथन उपरांत महिला विश्वविद्यालय में जरूरी प्रशासनिक तथा शैक्षणिक पहल की जाएंगी। उन्होंने सॉफ्ट स्किल्स तथा संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आईक्यूएसी सदस्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रो सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए महिला विश्वविद्यालय में वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। आईक्यूएसी में स्थानीय समाज के प्रतिनिधि के रूप में डॉ योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन का विचार साझा किया। औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में एलपीएस बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ सीएसआर भागीदारी और रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही।

निदेशक आईक्यूएसी, प्रो अशोक वर्मा ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का समन्वयन किया तथा प्रारंभ में पिछली बैठक पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में प्रो इप्शिता बंसल, प्रो सुरेंद्र मोर, प्रो श्वेता, प्रो रवि भूषण, प्रो नीलम जैन, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, वित्त अधिकारी रवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया तथा छात्र प्रतिनिधि रीतु भी शामिल हुए।

Tags: Women's University | gender and social sensitization | Vice Chancellor Prof. Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
37वें इंटर यूनिवर्सिटी नार्थ वेस्ट जोन यूथ फेस्टिवल की चैंपियनशिप ट्राफी बनस्थली...

NEXT ARTICLE
राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

RELATED POSTS

भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए युवाओं का कौशलयुक्त,...

एसीएस आनंद मोहन शरण ने एमडीयू में स्थापित हैप्पीट्यूड लैबोरेट्री...

नर्सिंग विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप...

COMMENTS

Name
Email
Comment

Post Comment

WEDNESDAY 14TH OF FEBRUARY 2024 04:12:49 PM

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Battery lab in PU with CSR of Rs 1 Cr from Oceaneering

महिला विश्वविद्यालय की छात्रा को स्टाइफंड के साथ इंटर्नशिप...

A glimpse of political scenario of Punjab

Telangana CM 'very disconnected' over attack on Hyderabad...

EESL inks MOUs worth INR 500 crores with State Bodies and...

FOLLOW US

Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Nation
Protect our Constitution, says Himachal CM on R-Day

No failure is absolute (Column: The Third Eye)

Maha Speaker seeks to 'please all': No MLAs disqualified,...

Street food of Delhi in winters

Bihar can't stop drain of human capital sans industrial...

Rajasthan Speaker promises paperless, tech-savvy Assembly...

GUEST POST

For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

पेटेंट की संख्या बढ़ाने पर बी.पी.एस. का रहेगा फोकस

गोहाना मुद्रिका, 13 फरवरी : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद और होटल प्रबंधन संकाय में पेटेंट की संख्या बढ़ाने के लिए तंत्र तैयार करने पर विशेष फोकस रहेगा। विश्वविद्यालय में गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। इस आशय का निर्णय वी.सी. प्रो सुदेश की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) की 5वीं बैठक में लिया गया।

वी.सी. प्रो सुदेश ने लैंगिक तथा सामाजिक संवेदीकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय को नवीनतम वैश्विक ज्ञान रूझानों तथा सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के विकास से कदमताल करते हुए कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष फोकस करना होगा। वी.सी. ने सॉफ्ट स्किल्स तथा संचार कौशल बढ़ाने के लिए नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

आई.क्यू.ए.सी. सदस्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रो सुनीता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्मी कंपोस्ट केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। डॉ योगेंद्र मलिक ने विभिन्न विभागों व संस्थाओं को परामर्श के माध्यम से राजस्व सृजन का विचार साझा किया। औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में एल.पी.एस. बोसार्ड समूह, रोहतक से मुकेश सिंह ने औद्योगिक इकाइयों के साथ रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की बात कही।

आई.क्यू.ए.सी. के निदेशक प्रो अशोक वर्मा ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। डॉ. शालिनी ने बैठक का समन्वयन किया। बैठक में प्रो इप्शिता बंसल, प्रो सुरेंद्र मोर, प्रो श्वेता, प्रो रवि भूषण, प्रो नीलम जैन, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, वित्त अधिकारी रवि दत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया तथा छात्र प्रतिनिधि रितु भी शामिल हुए।

D.B.M. PUBLIC SCHOOL
7th milestone, Meham Road, Madina, Gohana
9254555600, 8910556098
We invite applications
for the Academic Year
2024-25
PGT- All Subjects
TGT- All Subjects
PRT & NTT, Accountant
Music Teacher
Dance Teacher Coaches
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2024-25
Walk in interview with all documents 11am to 2pm
Salary no bar for deserving candidates